

## अमेरिकी साम्राज्य का पतन

दुनिया भर में एक लुप्त हो रहे साम्राज्य की फुसफुसाहट गूंज रही है - क्या संयुक्त राज्य अमेरिका, जो कभी शक्ति का निर्विवाद दिग्गज था, अपनी पकड़ खो रहा है? 2025 तक, तकनीकी बदलाव, भू-राजनीतिक असफलताएं और आंतरिक तनाव एक युग के अंत का संकेत दे रहे हैं, जो अमेरिकी वर्चस्व की नींव को चुनौती दे रहे हैं। असममित युद्ध का उदय, प्रतिद्वंद्वी शक्तियों का पुनर्जनन, और एक ढहती हुई घरेलू आधार एक ऐसी महाशक्ति की तस्वीर पेश करता है जो पतन की ओर बढ़ रही है, और इतिहास के कगार पर डगमगा रही है।

### तकनीकी अप्रचलन और ड्रोन क्रांति

अमेरिका के पतन का सबसे स्पष्ट संकेत इसका उन तकनीकी बदलावों के अनुकूल होने में पिछड़ना है जो आधुनिक युद्ध को नया रूप दे रहे हैं। ड्रोन और सटीक मिसाइलों के उदय ने महंगे, उच्च-तकनीकी मंचों जैसे लड़ाकू जेट विमानों की पारंपरिक प्रभुत्व को बाधित किया है। 2025 का एक MIT टेक्नोलॉजी रिव्यू लेख चीन की ड्रोन स्वार्म टेक्नोलॉजी में प्रगति पर प्रकाश डालता है, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा समन्वित, कम लागत वाली इकाइयां अमेरिका के महंगे F-35 कार्यक्रम को पछाड़ देती हैं, जिसकी प्रति इकाई कीमत लगभग 80 मिलियन डॉलर है। इस बीच, ईरान का HESA Shahed 136, एक 20,000 डॉलर की लॉन्चिंग मुनिशन, लाल सागर में अमेरिकी और सहयोगी बलों के खिलाफ प्रभावी साबित हुआ है, जैसा कि 2023 के आर्मेड रिसर्च सर्विसेज रिपोर्ट में दर्ज है। जनवरी 2024 में जॉर्डन में ड्रोन हमले, जिसमें तीन अमेरिकी सैनिक मारे गए, ने पैट्रियट जैसे वायु रक्षा प्रणालियों की कमजोरियों को उजागर किया, जो कम लागत, उच्च मात्रा वाली खतरों से अभिभूत हो गए थे।

यह तकनीकी अंतर एक गहरी रणनीतिक भूल को दर्शाता है। अमेरिकी रक्षा विभाग का पुराने सिस्टमों पर ध्यान, नेक्स्ट जेनरेशन एयर डोमिनेंस प्रोग्राम में देरी से और बढ़ गया, जिसने इसे चीन के औद्योगिक पैमाने पर ड्रोन उत्पादन से पीछे छोड़ दिया। 2024 में PBS न्यूज़ का अमेरिका-चीन हथियारों की दौड़ पर लेख इस बदलाव को रेखांकित करता है, जिसमें उल्लेख है कि पेंटागन बीजिंग की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं का मुकाबला करने के लिए सस्ते ड्रोन विकसित करने के लिए संघर्ष कर रहा है। फिर भी, नौकरशाही जड़ता और फंडिंग कटौती यह सुझाव देती है कि अमेरिका अब नवाचार की दौड़ में आगे नहीं है - जो इसके पिछले महाशक्ति दर्जे की पहचान थी।

### भू-राजनीतिक पीछे हटना और असममित चुनौतियां

भू-राजनीतिक असफलताएं अमेरिकी प्रभुत्व को और कमजोर करती हैं। लाल सागर संकट, जहां 2025 की शुरुआत में हूती ड्रोन हमलों ने USS Dwight D. Eisenhower जैसे अमेरिकी विमानवाहक पोतों को अस्थायी रूप से पीछे हटने के लिए मजबूर किया, इस कमजोरी को दर्शाता है। जवाबी हमलों के बावजूद, हूती का ईरान समर्थित शस्त्रागार - जिसमें 2,500 किमी तक की रेंज वाले समद-3 और वाइद यूएवी शामिल हैं - ने दबाव बनाए रखा है, जिससे विवादित क्षेत्रों में अमेरिकी नौसेना की श्रेष्ठता की सीमाएं उजागर हुई हैं। यह पीछे हटना, भले ही रणनीतिक हो, विरोधियों को संकेत देता है कि असममित युद्ध अमेरिका के पारंपरिक लाभों को निष्प्रभावी कर सकता है।

ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को संभावित रूप से बंद करना एक और गंभीर खतरा पैदा करता है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक तेल का 20% संभालता है, और इसका नाकाबंदी तेल की कीमतों में 20% की वृद्धि कर सकता है, जैसा कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने अनुमान लगाया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की 23 जून, 2025 को फॉक्स न्यूज़ पर चेतावनी कि यह ईरान के लिए "आर्थिक आत्महत्या" होगी, आपसी कमजोरी को रेखांकित करती है, लेकिन चीन को ईरान के बढ़ते तेल निर्यात से पता चलता है कि उसके पास लाभ है। संयुक्त राज्य अमेरिका, जो खाड़ी से केवल 7% तेल आयात करने के बावजूद वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर निर्भर है, एक दुविधा का सामना करता है: जवाबी कार्रवाई और बढ़ते तनाव का जोखिम, या झुकना और प्रभाव खोना। यह गतिरोध एक ऐसी महाशक्ति को दर्शाता है जो अब शर्तें तय नहीं कर सकती।

## आर्थिक दबाव और आंतरिक क्षय

आर्थिक रूप से, संयुक्त राज्य अमेरिका अपने वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बोझ तले दब रहा है। 2024 में लाल सागर शिपिंग की रक्षा के लिए खर्च किए गए 1.2 बिलियन डॉलर विदेश में प्रभुत्व बनाए रखने की असहनीय लागत को दर्शाते हैं, खासकर जब घरेलू बुनियादी ढांचा ढह रहा है। 2025 में हेरिटेज फाउंडेशन की अमेरिकी सैन्य शक्ति के हास पर रिपोर्ट इसे स्व-शासन के व्यापक पतन से जोड़ती है, यह तर्क देते हुए कि एक दशक की उपेक्षा ने सेना को पिछले दस वर्षों में किसी भी समय की तुलना में कमजोर कर दिया है। क्लाइमेट वल्लरेबिलिटी इंडेक्स यह भी बताता है कि मौजूदा असमानताएं - जलवायु परिवर्तन से और बढ़ी हुई - सामाजिक और आर्थिक लचीलापन पर दबाव डाल रही हैं, जिससे संसाधन वैश्विक प्रक्षेपण से घरेलू संकटों की ओर मोड़ दिए जा रहे हैं।

आंतरिक रूप से, राजनीतिक ध्रुवीकरण और एक उदासीन जनसंख्या इस पतन को बढ़ा देती है। हेरिटेज फाउंडेशन नोट करता है कि अभिजात वर्ग ने "लड़कों की एक पूरी पीढ़ी को छोड़ दिया है", जिससे सेवा करने की इच्छा कम हो गई है, जबकि 2025 में द गार्जियन का साम्राज्यों के उदय और पतन पर लेख ऐतिहासिक सामाजिक क्षय के पैटर्न के साथ समानताएं खींचता है। उपभोक्ता कीमतें, जो होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधानों के कारण गैसोलीन की कीमत में संभावित 0.50 डॉलर प्रति गैलन की वृद्धि के लिए संवेदनशील हैं, आर्थिक असंतोष शासन परिवर्तन को ट्रिगर कर सकता है।

## प्रतिद्वंद्वियों का उदय और एक बहुध्रुवीय विश्व

जैसे-जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका डगमगाता है, प्रतिद्वंद्वी उभर रहे हैं। चीन के ड्रोन स्वार्म और अंतरिक्ष सहयोग पहल इसे तकनीकी और कूटनीतिक नेता के रूप में स्थापित करते हैं, जबकि ईरान के साथ इसके आर्थिक संबंध अमेरिकी रणनीति को जटिल बनाते हैं। रूस के चीन के साथ संयुक्त ड्रोन अभ्यास एक समन्वित चुनौती का संकेत देते हैं। 2025 में संयुक्त राष्ट्र का सतत चंद्र गतिविधियों पर सम्मेलन इस बात को रेखांकित करता है कि अंतरिक्ष - एक ऐसा क्षेत्र जो कभी अमेरिका-USA की प्रतिद्वंद्विता से प्रभुत्व में था - अब बहुपक्षीयता को बढ़ावा देता है, जिससे अमेरिकी असाधारणवाद कमजोर पड़ता है।

यह बहुध्रुवीय बदलाव ऐतिहासिक चक्रों के साथ संरेखित है। द गार्जियन का साम्राज्यों के उदय और पतन का विश्लेषण वर्तमान वैश्विक संघर्षों को एक पैटर्न के प्रमाण के रूप में उद्धृत करता है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका अत्यधिक विस्तार और आंतरिक क्षय के लक्षण दिखा रहा है।

## निष्कर्ष

संयुक्त राज्य अमेरिका अब वह एकध्रुवीय महाशक्ति नहीं है जो वह कभी था, इसकी तकनीकी श्रेष्ठता कुंद हो गई है, इसकी भू-राजनीतिक पहुंच सीमित हो गई है, और इसकी आर्थिक स्थिरता आंतरिक और बाहरी दबावों से खतरे में है। चीन और अन्यो के नेतृत्व में एक बहुध्रुवीय विश्व का उदय एक युग के अंत को चिह्नित करता है। जैसा कि फ्रैंक हर्बर्ट की **Dune** में राजकुमारी इरुलान चेतावनी देती है: "यदि इतिहास हमें कुछ सिखाता है, तो वह केवल इतना है: प्रत्येक क्रांति अपने विनाश के बीज अपने भीतर ले जाती है। और जो साम्राज्य उभरते हैं, वे एक दिन गिर जाएंगे।" अमेरिका के लिए, वह दिन शायद आ गया हो, इसका पतन शक्ति की चक्रीय प्रकृति का प्रमाण है।